पंजाब केसरी
SAT,23 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

'बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें न रोको, इन्हें बचा लो'

काव्यपाठ करते हुए सुदीप भोला, (दाएं) कवि सम्मलेन का आनंद लेते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश और अन्य विशिष्टजन। *(अरोड़ा)*

महिला विश्वविद्यालय में पढ़ो बेटियो-बढ़ो बेटियो के थीम पर कवि सम्मेलन का आयोजन

गोहाना, 22 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में 'पढ़ो बेटियो-बढ़ो बेटियो' थीम पर शुक्रवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वी.सी. प्रो. सुदेश ने की।

कवयित्री कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। कवि सुदीप भोला के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर पैरोडी 'टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से' पर श्रोताओं ने ठहाके लगाए। रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उमड़े अपार उत्साह का वर्णन उन्होंने 'सिया संग राम पधारे हैं' पंक्तियों के साथ किया।

बेटियों को ईश्वर की अनमोल कृति की संज्ञा देते हुए सुदीप भोला ने 'बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें न रोको, इन्हें बचा लो' पंक्तियां सुनाईं। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए 'पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं' कविता प्रस्तुत की।

कवयित्री कविता तिवारी ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे' का पाठ किया तो पूरे सभागार में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी। अपने गीत की अत्यंत मार्मिक पंक्तियों के साथ उन्होंने कन्या भ्रूण की अपील - 'एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हूं तुम्हारी' सुनाई।

कवि उपेंद्र पांडे ने 'भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी, गोपियों के संग बरसाने में चोरी-चोरी' पंक्तियों के साथ सभी को होली की काव्यात्मक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश प्रेम से भरपूर पंक्तियां "हम देश नहीं झुकने देंगे, यह भारतवर्ष हमारा है' सुनाई तो सभागार तालियों से गूंज उठा। बेटियों को समर्पित उनकी रचना 'घर पावन हो जाता है, जब बेटी पैदा होती है, पिता का मान बढ़ाकर मां को सम्मान दिलाती है, बेटी होकर कभी-कभी बेटे का फर्ज निभाती है' ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विशेष उद्बोधन करते हुए कर्नल मूल भार्गव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान किया।

पंजाब केसरी
SAT,23 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला बैस्ट कैंपर का अवार्ड

गोहाना (अरोड़ा): एन.एस.एस. के मंत्र-स्वयं से पहले आप को जीवन में उतारे और एक बेहतर राष्ट्र व समाज निर्माण में योगदान दें। शुक्रवार को यह आह्वान वी.सी. प्रो. सुदेश ने विधि विभाग के 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर के समापन समारोह में किया। उन्होंने शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेविकाओं को सम्मानित किया। बैस्ट कैंपर का अवार्ड अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला। बैस्ट स्वयंसेविका के खिताब से रूपल को नवाजा गया। गांव शामड़ी की होनहार छात्रा निश्चल को मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बीपीएस में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर किया कवि सम्मेलन का आयोजन

उजाला आज तक

गोहाना,22 मार्च (रामनिवास धीमान) भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर आज एक कवि सम्मेलन का आयोजन छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो सुदेश ने की। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उनकी पैरोडी "टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से" पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। जिसे श्रोताओं ने जमकर सराहा।कार्यक्रम के प्रारंभ में विशेष उद्बोधन करते हुए कर्नल मूल भार्गव ने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया। सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक ने किया। मंच संचालन डॉ महेश कौशिक ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में आयोजित यह कवि सम्मेलन छात्राओं एवं श्रोताओं को असीम ऊर्जा से भरते हुए मीठी यादें छोड़ गया।

राजावदर कार, शरणजात, लाला शर्मा व अन्य सभी गणमान्य साथियों की उपस्थिति रही ।।

बेस्ट कैंपर का अवार्ड अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला

उजाला आज तक

गोहाना,22 मार्च (रामनिवास धीमान) भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में विधि विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो सुदेश ने छात्राओं को इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरणों व तकनीक को बुद्धिमता के साथ उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने और अपने आसपास भी इसे लेकर जागरूकता फैलाने की बात कही। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को भौतिकवाद के भ्रम से निकलकर जीवन की वास्तविक संतुष्टि व मानव निर्माण को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। कुलपति प्रो सुदेश ने शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेविकाओं को ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। बेस्ट कैंपर का अवार्ड अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला। बेस्ट स्वयंसेविका के खिताब से रुपल को नवाजा गया। गांव शामड़ी की होनहार छात्रा निश्चल को मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि एमडीयू, रोहतक के पूर्व एनएसएस समन्वयक डॉ रणबीर गुलिया ने शिरकत की। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी धीरज दहिया ने बताया कि स्वयंसेविकाओं ने विभाग द्वारा गोद लिए गए गांव शामड़ी में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, सामजिक आर्थिक सर्वे, गीत, कविता आदि गतिविधियों द्वारा ग्रामीणों को मतदान, कन्या भ्रूण हत्या व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस शिविर में प्लास्टिक फ्री समाज को प्रोत्साहन दिया गया। इस अवसर पर विभाग के डॉ सीमा दहिया, प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

छात्राएं बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहे

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। जन भागीदारी से महिला सशक्तिकरण भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का मूल है और इसकी झलक छात्राओं के आचार-व्यवहार में नजर आनी चाहिए। ये आह्वान महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने विधि विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

कुलपति प्रो सुदेश ने छात्राओं को इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरणों व तकनीक को बुद्धिमता के साथ उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने और अपने आसपास भी इसे लेकर जागरूकता फैलाने की बात कही। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को भौतिकवाद के भ्रम से निकलकर जीवन की वास्तविक संतुष्टि व मानव निर्माण को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। कुलपति प्रो सुदेश ने शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेविकाओं को ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं का आह्वान किया कि एन.एस.एस. के मंत्र -स्वयं से पहले आप को जीवन में उतारे और एक बेहतर राष्ट्र व समाज निर्माण में योगदान दें। बेस्ट कैंपर का अवार्ड अश्नु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला। बेस्ट स्वयंसेविका के खिताब से रुपल को नवाजा गया। गांव शामड़ी की होनहार छात्रा निश्चल को मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बतौर विशिष्ट अतिथि एमडीयू, रोहतक के पूर्व एनएसएस समन्वयक डॉ रणबीर गुलिया ने शिरकत की। विधि विभागाध्यक्षा डॉ सीमा दहिया ने स्वागत संबोधन किया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी धीरज दहिया ने शिविर के दौरान आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि स्वयंसेविकाओं ने विभाग द्वारा गोद लिए गए गांव शामड़ी में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, सामाजिक आर्थिक सर्वे, गीत, कविता आदि गतिविधियों द्वारा ग्रामीणों को मतदान, कन्या भ्रूण हत्या व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस शिविर में प्लास्टिक फ्री समाज को प्रोत्साहन दिया गया। इस दौरान विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अभिभावक मौजूद रहे।

बीपीएसएमवी में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर कवि सम्मेलन आयोजित

सुदीप भोला की 'टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से' पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर आज एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

प्रख्यात कवयित्री कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उनकी पैरोडी टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उमड़े अपार उत्साह का वर्णन उन्होंने सिया संग राम पधारे हैं पंक्तियों के साथ किया।

अपनी ओजस्वी वाणी में कवयित्री कविता तिवारी ने अपनी प्रसिद्ध रचना जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे का पाठ किया तो पूरे सभागार में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी। प्रसिद्ध कवि उपेंद्र पांडे ने भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी, गोपियों के संग बरसाने में चोरी-चोरी पंक्तियों के साथ सभी को होली की काव्यात्मक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में विशेष उद्बोधन करते हुए कर्नल मूल भार्गव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया।

सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक ने किया। मंच संचालन डॉ महेश कौशिक ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में आयोजित यह कवि सम्मेलन छात्राओं एवं श्रोताओं को असीम ऊर्जा से भरते हुए मीठी यादें छोड़ गया।

कवि सम्मेलन का आनंद उठाते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य अतिथिगण।

'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर कवि सम्मेलन का आयोजन

गोहाना, 22 मार्च (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर आज एक कवि सम्मेलन का आयोजन छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो.सुदेश ने की। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। कुलपति प्रो. सुदेश ने उपस्थित जन को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उनकी पैरोडी 'टूटा गठबंधन जैसे लिट्टे का चोखे से' पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। जिसे श्रोताओं ने जमकर सराहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में विशेष उद्बोधन करते हुए कर्नल मूल भार्गव ने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया। सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक ने किया। मंच संचालन डॉ. महेश कौशिक ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में आयोजित यह कवि सम्मेलन छात्राओं एवं श्रोताओं को असीम ऊर्जा से भरते हुए मीठी यादें छोड़ गया।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
23-Mar-2024
Page: 10
http://www.ajitsamachar.com/20240323/27/10/1_1.cms

बेहतर कार्य करने वाली स्वयंसेविकाएं सम्मानित

प्राचार्य सुमिता सिंह स्वयंसेविकाओं को सम्मानित करते हुए ● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत आयोजित सात दिवसीय शिविर शुक्रवार को संपन्न हो गया। प्राचार्य सुमिता सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिविर में बेहतर कार्य करने वाली स्वयंसेविकाओं को सम्मानित किया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के संदेश-स्वयं से पहले आप के भाव को जीवन में स्थाई रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने स्वयंसेविकाओं को मोबाइल का इस्तेमाल केवल जरूरी कार्य के लिए करने का आह्वान किया। शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने गीत, कविताओं और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान, स्वच्छता, जल संरक्षण और नशे के विरुद्ध जागरूक किया। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी बबली, नीलम व शालिनी मौजूद रही।

बीपीएस महिला विवि में पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों थीम पर कवि सम्मेलन

एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हूं मैं तुम्हारी...

भास्कर न्यूज | गोहाना

कवि सम्मेलन का आनंद उठाते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

बीपीएस महिला विवि में पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों थीम पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में कवि सुदीप भोला ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर कटाक्ष किया। उन्होंने बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल-इन्हें ना रोको, इन्हें बचा लो के अलावा पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं कविता की प्रस्तुति दी।

सुदीप भोला ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर 'टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से' पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। रामलला प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उमड़े अपार उत्साह का वर्णन उन्होंने 'सिया संग राम पधारे हैं' पंक्तियों के साथ किया। उन्होंने बेटियों को ईश्वर की अनमोल कृति की संज्ञा दी। इसके बाद कवयित्री कविता तिवारी ने 'जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे' का पाठ किया। इसके साथ ही उन्होंने 'एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हूं तुम्हारी' कविता के माध्यम से बेटी बचाने का संदेश दिया। वहीं कवि उपेंद्र पांडे ने 'भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी, गोपियों के संग बरसाने में चोरी-चोरी' से होली पर्व के बारे में बताया। इस मौके पर कर्नल मूल भार्गव, कुलपति प्रो. सुदेश, कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक, डॉ. महेश कौशिक आदि मौजूद रहे।

महिला विश्वविद्यालय में कवि सम्मेलन में श्रोताओं ने लगाए ठहाके

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में पढ़ो बेटियों बढ़ो बेटियों थीम पर शुक्रवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। कवयित्री कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उन्होंने टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से की बेहतर प्रस्तुति दी जिस पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए।

कवि सुदीप भोला महिला विश्वविद्यालय में कविताएं सुनाते हुए● सौ. विश्वविद्यालय

रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उमड़े अपार उत्साह का वर्णन उन्होंने-सिया संग राम पधारे हैं पंक्तियों के साथ किया। बेटियों को ईश्वर की अनमोल कृति की संज्ञा देते हुए सुदीप ने-बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें ना रोको, इन्हें बचा लो पंक्तियां सुनाई। उन्होंने इंटरनेट मीडिया के बढ़ते प्रयोग और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए- पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं, कविता प्रस्तुत की, जिसे श्रोताओं ने जमकर सराहा। कवयित्री कविता तिवारी ने जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे का पाठ किया। एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हू तुम्हारी की बेहतर प्रस्तुति दी। कवि उपेंद्र पांडे ने भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी, गोपियों के संग बरसाने में चोरी-चोरी पंक्तियों के साथ सभी को होली की काव्यात्मक शुभकामनाएं दी।

उन्होंने देश प्रेम से भरपूर पंक्तियां-हम देश नहीं झुकने देंगे, यह भारतवर्ष हमारा है, सुनाई तो सभागार तालियों से गूंज उठा। कर्नल मूल भार्गव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। इस मौके पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. नीलम मलिक, डा. महेश कौशिक मौजूद रहे।

कविताएं सुनकर मुग्ध हुए लोग

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण विभाग की ओर से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। कवि सुदीप भोला ने राजनीति पर हास्य कविताएं सुनाईं। इसके अलावा सिया संग राम पधारे हैं.., बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें बचा लो..सुनाकर वाहवाही लूटी। कवयित्री कविता तिवारी ने जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे और एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हूँ तुम्हारी.. सुनाकर लोगों को मुग्ध किया। कवि उपेंद्र पांडेय भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी..सुनाकर लोगों को होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक, डॉ. महेश कौशिक व अन्य उपस्थित रहे। संवाद

बेस्ट कैंपर का अवार्ड अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला

गोहाना, 23 मार्च (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में विधि विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरणों व तकनीक को बुद्धिमता के साथ उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने और अपने आसपास भी इसे लेकर जागरूकता फैलाने की बात कही। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को भौतिकवाद के भ्रम से निकलकर जीवन की वास्तविक संतुष्टि व मानव निर्माण को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेविकाओं को ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। बेस्ट कैंपर का अवार्ड अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला। बेस्ट स्वयंसेविका के खिताब से रुपल को नवाजा गया। गांव शामड़ी की होनहार छात्रा निश्चल को मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि एमडीयू, रोहतक के पूर्व एनएसएस समन्वयक डॉ रणबीर गुलिया ने शिरकत की। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी धीरज दहिया ने बताया कि स्वयंसेविकाओं ने विभाग द्वारा गोद लिए गए गांव शामड़ी में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, सामजिक आर्थिक सर्वे, गीत, कविता आदि गतिविधियों द्वारा ग्रामीणों को मतदान, कन्या भ्रूण हत्या व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस शिविर में प्लास्टिक फ्री समाज को प्रोत्साहन दिया गया। इस अवसर पर विभाग के डॉ. सीमा दहिया, प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर के समापन पर संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

अजीत समाचार
24-Mar-2024
Page: 12
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20240324/27/12/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 23 Mar 2024 - Page 3

शिविर के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश

बढ़ते साइबर अपराध के प्रति सचेत रहें : सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

जन भागीदारी से महिला सशक्तिकरण भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का मूल है और इसकी झलक छात्राओं के आचार-व्यवहार में नजर आनी चाहिए। ये आह्वान महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आज विधि विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरणों व तकनीक को बुद्धिमता के साथ

गोहाना। कुलपति प्रो. सुदेश छात्राओं को संबोधित करते हुए।

उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने व दूसरों को जागरूक करने की बात कही। कुलपति ने शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में

सोनीपत। वाहन चालक का चालान काटते हुए।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने अक्षु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को बेस्ट कैंपर अवार्ड, रुपल को बेस्ट स्वयंसेविका अवार्ड और गांव शामड़ी की होनहार छात्रा निश्चल को मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सीमा दहिया ने स्वागत भाषण दिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धीरज दहिया ने बताया कि स्वयंसेविकाओं ने विभाग द्वारा गोद लिए गए गांव शामड़ी में ग्रामीसणों को मतदान, कन्या भ्रूण हत्या व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

यातायात नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

सोनीपत। जिला यातायात पुलिस ने शहर की सड़कों पर स्पेशल अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस टीम ने 312 वाहन चालकों को नियमों की अवेहलना करने पर उनके चालान काटे। पुलिस विभाग की तरफ से समय-समय पर स्पेशल अभियान चलाने का काम किया जाता है। जिला पुलिस आयुक्त यातायात अमित धनखड़ ने बताया कि पुलिस विभाग की तरफ से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर स्पेशल अभियान चलाया। अभियान के तहत टीमों ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहनों के सुचारू रूप से चलाने व गलत लेन ड्राईविंग के नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि गलत लेन में चलने वाले चालक हादसों का शिकार हो जाते है व दूसरों की भी जान जोखिम में डालते है।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 23 Mar 2024 - Page 4

प्रसिद्ध कवि उपेंद्र पांडे ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी

महिला विवि में कवि सम्मेलन का उठाया लुत्फ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

गोहाना। काव्य पाठ करते हुए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला व कवि सम्मेलन का लुत्फ उठाते हुए कुलपति प्रो. सुदेश, विवि के स्टाफ सदस्य व अन्य अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों थीम पर शुक्रवार कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। प्रख्यात कवयित्री कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। उन्होंने बेटियों को ईश्वर की अनमोल कृति की संज्ञा देते हुए बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें ना रोको, इन्हें बचा लो पंक्तियां सुनाई। कवयित्री कविता तिवारी ने अपनी प्रसिद्ध रचना जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे का पाठ किया तो पूरे सभागार में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी। प्रसिद्ध कवि उपेंद्र पांडे ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी।

Finest Menswear@Louis Philippe

Hindi News

छात्राएं बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहे: कुलपति प्रो सुदेश

Girish Saini

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। जन भागीदारी से महिला सशक्तिकरण भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का मूल है और इसकी झलक छात्राओं के आचार-व्यवहार में नजर आनी चाहिए। ये आह्वान महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने विधि विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

Everyday Style@Louis Philippe

कुलपति प्रो सुदेश ने छात्राओं को इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य उपकरणों व तकनीक को बुद्धिमता के साथ उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने और अपने आसपास भी इसे लेकर जागरूकता फैलाने की बात कही। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को भौतिकवाद के भ्रम से निकलकर जीवन की वास्तविक संतुष्टि व मानव निर्माण को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया।

कुलपति प्रो सुदेश ने शिविर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेविकाओं को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं का आह्वान किया कि एन.एस.एस. के मोटो -स्वयं से पहले आप को जीवन में उतारे और एक बेहतर राष्ट्र व समाज निर्माण में योगदान दें। बेस्ट कैंपर का अवार्ड अंशु, मुस्कुराना और मीनाक्षी को मिला। बेस्ट स्वयंसेविका के खिताब से स्वाति को नवाजा गया। गांव सामड़ी की होनहार छात्रा निकिता को मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बतौर विशिष्ट अतिथि एमडीयू, रोहतक के पूर्व एनएसएस समन्वयक डॉ रणबीर गुलिया ने शिरकत की। विधि विभागाध्यक्षा डॉ सीमा दहिया ने स्वागत संबोधन किया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी नीरज दहिया ने शिविर के दौरान आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि स्वयंसेविकाओं ने विभाग द्वारा गोद लिए गए गांव सामड़ी में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, सामाजिक आर्थिक सर्वे, गीत, कविता आदि गतिविधियों द्वारा ग्रामीणों को मतदान, कन्या भ्रूण हत्या व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस शिविर में प्लास्टिक की समाप्ति को प्रोत्साहन दिया गया। इस दौरान विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अभिभावक मौजूद रहे।

Tags: Girl students · cyber crimes · Vice Chancellor Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
नाटक सामाजिक संदेश देने का एक प्रभावी संचार माध्यम है: कुलपति प्रो राजबीर सिंह

NEXT ARTICLE
सुदीप भोला की टूटा गठबंधन जैसी सिट्टी का चोखे से पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

गिल्ली डंडा, घोड़ा कबड्डी, रस्सा-कस्सी में एमकेजेके की...

छात्राओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया

हिंदू कॉलेज में रंग महोत्सव आयोजित

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

SATURDAY 23RD OF MARCH 2024 12:58:16 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Lucknow's Jurassic Park nearing completion
Will have to take tough decisions to counter conspiracy...
Police seize 'car copter' made with 'jugaad' in UP's Ambedkar...
Gauahar's b'day note for brother-in-law Awez: 'You have...
Get your skin and hair Holi-ready with these 6 tips recommended...

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
IANS Interview: No Opposition leader can challenge PM Modi,...
Top photographers share Holi tips & tricks for iPhone lovers...
Get your skin and hair Holi-ready with these 6 tips recommended...
Police seize 'car copter' made with 'jugaad' in UP's Ambedkar...
Lucknow's Jurassic Park nearing completion
5 energizing breakfast recipes for women on the go

CONTACT US
For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation
Terms & Conditions Privacy Policy

CITY AIR NEWS
DEDICATED TO LATE SHRI H.R. DHIMAN (JOURNALIST) STRAIGHT FORWARD

Hindi News

सुदीप भोला की 'टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से' पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए

Girish Saini

बीपीएसएमवी में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर कवि सम्मेलन आयोजित।

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में 'पढ़ो बेटियों-बढ़ो बेटियों' थीम पर आज एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की लो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। कुलपति प्रो सुदेश ने उपस्थित जन को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

प्रख्यात कवयित्री कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उनकी पैरोडी "टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से" पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उमड़े अपार उत्साह का वर्णन उन्होंने "सिया संग राम पधारे हैं" पंक्तियों के साथ किया। बेटियों को ईश्वर की अनमोल कृति की संज्ञा देते हुए सुदीप भोला ने "बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें न रोको, इन्हें बचा लो" पंक्तियां सुनाई। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए "पढ़ती नहीं पढ़ती हैं, दिनभर रील बनाती हैं" कविता प्रस्तुत की, जिसे श्रोताओं ने जमकर सराहा।

अपनी ओजस्वी वाणी से कवयित्री कविता तिवारी ने अपनी प्रसिद्ध रचना "जब तक ये सूरज चांद चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे" का पाठ किया तो पूरे सभागार में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी। अपने गीत की अंतिम मार्मिक पंक्तियों के साथ उन्होंने कन्या भ्रूण की अपील - "एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हूं तुम्हारी" सुनाई।

प्रसिद्ध कवि उमेश पंडे ने "भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी, गोपियों के संग बरसाने में चोरी-चोरी" पंक्तियों के साथ सभी को होली की काव्यात्मक शुभकामनाएं दी। उन्होंने देश प्रेम से भरपूर पंक्तियां "हम देश नहीं झुकने देंगे, यह भारतवर्ष हमारा है" सुनाई तो सभागार तालियों से गूंज उठा। बेटियों को समर्पित उनकी रचना "घर पावन हो जाता है, जब बेटी पैदा होती है, पिता का मान बढ़ाकर मां को सम्मान दिलाती है, बेटी होकर कभी-कभी बेटे का फर्ज निभाती है" ने सभागार में उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में विशेष उद्बोधन करते हुए कवि सूरज भारती ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अहम महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया।

सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ नीलम मलिक ने किया। मंच संचालन डॉ महेश कौशिक ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित चौपाल सभागार में आयोजित यह कवि सम्मेलन छात्राओं एवं श्रोताओं की असीम ऊर्जा से भरते हुए मीठी यादें छोड़ गया।

Tags: audience laughed loudly | sudeep bhola | toota gathbandhan jaise litti ka chokhe se

PREVIOUS ARTICLE
छात्राएं बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहें: कुलपति प्रो सुदेश

NEXT ARTICLE
हिंदू कॉलेज में रंग महोत्सव आयोजित

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

गिल्ली डंडा, घोड़ा कबड्डी, रस्सा-कस्सी में एकोनेके की...

छात्राओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया

हिंदू कॉलेज में रंग महोत्सव आयोजित

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

SATURDAY 23RD OF MARCH 2024 12:39:05 PM

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Lucknow's Jurassic Park nearing completion

Will have to take tough decisions to counter conspiracy...

Police seize 'car copter' made with 'jugaad' in UP's Ambedkar...

Gauahar's b'day note for brother-in-law Awez: 'You have...

Get your skin and hair Holi-ready with these 6 tips recommended...

FOLLOW US

Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
IANS Interview: No Opposition leader can challenge PM Modi,...

Top photographers share Holi tips & tricks for iPhone lovers...

Get your skin and hair Holi-ready with these 6 tips recommended...

Police seize 'car copter' made with 'jugaad' in UP's Ambedkar...

Lucknow's Jurassic Park nearing completion

5 energizing breakfast recipes for women on the go

CONTACT US

For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

"बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें ना रोको, इन्हें बचा लो"

महिला विश्वविद्यालय में पढो बेटियो-बढ़ो बेटियो के थीम पर कवि सम्मलेन का आयोजन

गोहाना मुद्रिका, 22 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में 'पढ़ो बेटियो-बढ़ो बेटियों' थीम पर शुक्रवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वी.सी. प्रो सुदेश ने की।

कवयित्री कविता तिवारी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। कवि सुदीप भोला के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर पैरोडी "टूटा गठबंधन जैसे लिट्टी का चोखे से" पर श्रोताओं ने ठहाके लगाए। रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उमड़े अपार उत्साह का वर्णन उन्होंने "सिया संग राम पधारे हैं" पंक्तियों के साथ किया। बेटियों को ईश्वर की अनमोल कृति की संज्ञा देते हुए सुदीप भोला ने "बेटी ब्यूटीफुल, वंडरफुल... इन्हें ना रोको, इन्हें बचा लो" पंक्तियां सुनाई। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए "पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं" कविता प्रस्तुत की।

कवयित्री कविता तिवारी ने अपनी प्रसिद्ध रचना "जब तक ये सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहे" का पाठ किया तो पूरे सभागार में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी। अपने गीत की अत्यंत मार्मिक पंक्तियों के साथ उन्होंने कन्या भ्रूण की अपील - "एक बार सुन लो पुकार ये हमारी, कोख में न मारो बाबुल बेटी हूं तुम्हारी" सुनाई।

कवि उपेंद्र पांडे ने "भर पिचकारी मुरलीधर खेले जो होरी, गोपियों के संग बरसाने में चोरी-चोरी" पंक्तियों के साथ सभी को होली की काव्यात्मक शुभकामनाएं दी। उन्होंने देश प्रेम से भरपूर पंक्तियां "हम देश नहीं झुकने देंगे, यह भारतवर्ष हमारा है" सुनाई तो सभागार तालियों से गूंज उठा। बेटियों को समर्पित उनकी रचना "घर पावन हो जाता है, जब बेटी पैदा होती है, पिता का मान बढ़ाकर मां को सम्मान दिलाती है, बेटी होकर कभी-कभी बेटे का फर्ज निभाती है" ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। प्रारंभ में विशेष उद्बोधन करते हुए कर्नल मूल भार्गव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान किया।